कुल पृष्ठ : 4

एम एच डी–02

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि

सत्रांत परीक्षा

जून, 2014

एम.एच.डी–02 : आधुनिक हिन्दी कविता

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।*

1. निम्नलिखित में से ***किन्हीं तीन*** काव्यांशों की व्याख्या कीजिए: **12x3 =36**

(क) वीरों उठो, अब तो कुयश की कालिमा को मेट दो,
निज देश को जीवन सहित तन, मन तथा धन भेंट दो।
रघु, राम, भीष्म तथा युधिष्ठिर राम न हो जो अर्जुन हो तो
वीर विक्रम से बनो, विधानुरागी भोज से।

(ख) निर्दय उस नायक ने
निपट निठुराई की
कि झोंको की झाड़ियों से
सुन्दर सुकुमार देह सारी झकझोर डाली,
मसल दिये गोरे कपोल गोलः
चौंक पड़ी युवती–
चकित चितवन निज चारों ओर फेर
हेर प्यारे को सेज–पास,
नम्रमुख हँसी–खिली,
खेल रंग, प्यारे संग।

(ग) जो तुम आ जाते एक बार!
कितनी करूणा कितने सँदेश
पथ में बिछ जाते बन पराग;
गाता प्राणों का तार तार
अनुराग भरा उन्माद राग,
आँसू लेते वे पद पखार!

(घ) मगध में लोग
मृतकों की हड्डियाँ चुन रहे हैं

कौन–सी अशोक की हैं?
और चन्द्रगुप्त की ?
नही, नही
ये बिम्बिसार की नहीं हो सकतीं
अजातशत्रु की हैं,

कहते हैं मगध के लोग
और आँसू
बहते हैं

स्वाभाविक है
जिसने किसी को जीवित देखा हो
वही उसे
मृत देखता है

(ङ) हँसी पर चुटकुलों से बचो
उनमें शब्द हैं
कहीं उनमें अर्थ न हों जो किसी ने सौ साल पहले
दिये हों
बेहतर है कि जब कोई बात करो तब हसो
ताकि किसी बात का कोई मतलब न रहे।

2. भारतेन्दु के काव्य में देश भक्ति और राजभक्ति के अंतर्द्वन्द्व का सोदाहरण विवेचन कीजिए। **16**

<u>अथवा</u>

काव्य की विशेषताएं बताइए।

3. जयशंकर प्रसाद की सौंदर्य–दृष्टि पर प्रकाश डालिए।

<u>अथवा</u>

महादेवी की वेदना में भारतीय स्त्री का दुःख बोलता है। अपना अभिमत प्रकट कीजिए।

4. नागार्जुन की काव्य कला का वैशिष्ट्य उद्घाटित कीजिए। **16**

<u>अथवा</u>

'अंधेरे में' कविता का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए।

5. ***किन्हीं दो*** पर टिप्पणी लिखिए – **8x2=16**

(क) पंत का प्रकृति चित्रण

(ख) रघुवीर सहाय की काव्य भाषा

(ग) 'राम की शक्ति पूजा' का काव्य

(घ) दिनकर के काव्य में राष्ट्रीयता

—— *** ——